नवभारत
रायपुर सोमवार
12 जून, 2017
उत्कल

राज्य मुक्त विश्वविद्यालय का द्वितीय स्थापना दिवस

पुरानी शिक्षा प्रणाली में परिवर्त्तन लाने की है आवश्यकता

■ नवभारत ब्यूरो | संबलपुर.

आज का दौर डिजीटल युग है. नये ज्ञान कौशल अपनाकर विद्यार्थी साइबर विद्यार्थी बन चुके हैं. जबकि हमारे देश में ब्रिटिश शासन के समय से चल आ रही शिक्षा प्रणाली ही चल रही है. विद्यार्थी इस शिक्षा प्रणाली को प्रसंद नहीं कर रहे हैं एवं उनकी प्रतिभा को परखने में भी असुविधा हो रही है. आज के इस डिजीटल युगल में सबकुछ डिजीटल होना चाहिए. पुरानी शिक्षा प्रणाली में परिवर्त्तन लाने की आवश्यकता है.

राज्य मुक्त विश्वविद्यालय की द्वितीय स्थापना दिवस समारोह में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नो) के कुलपति प्रोफेसर रविन्द्र कुमार ने यह बात कही. प्रोफेसर कुमार ने बताया कि पहले गुरुकुल परंपरा अनुसार गुरु जो भी पढ़ाते थे शिष्य को वही सिखना पड़ता था. परंतु आज के दौर में विद्यार्थी उस पुरानी शिक्षा व्यवस्था अनुसार पढ़ाई नहीं करना चाहते. पढ़ाई के प्रति विद्यार्थियों की जिज्ञाशा बढ़ाने के लिए नयी तकनीकी को अपनाना होगा. मुख्यवक्ता के तौर पर उपस्थित सीईएमसीए निदेशक डॉ. शाहिद रसुल ने बताया कि हमारी शिक्षा व्यवस्था में कई त्रृटियां हैं. इसके चलते कई विद्यार्थी अधूरे में ही पढ़ाई छोड़ रहे हैं. शिक्षक एवं विद्यार्थी के अनुपात में काफी अंतर है. देश में हजारों शिक्षा संस्थान होने के बावजूद बहुत ही कम शिक्षा संस्थान में विद्यार्थियों की दक्षता बढ़ाने जैसी शिक्षा दी जा रही है. राज्य मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. श्रीकांत महापात्र की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सुधांशु शेखर रथ एवं स्थानीय विधायक डॉ. रासेश्वरी पाणिग्राही उपस्थित थे.

कुलसचिव डॉ. जयंत कर शर्मा ने अतिथियों का परिचय करवाया एवं ज्योति प्रकाश महापात्र ने धन्यवाद ज्ञापन किया. विद्यार्थियों को राज्य मुक्त विश्वविद्यालय एवं पाठ्यक्रम संबंधित ऑनलाईन जानकारी देने के लिए ओएसओयू मोबाईल एप एवं ज्ञानागार का लोकार्पण किया गया. मुख्य अतिथि प्रोफेसर रविन्द्र कुमार ने ई-ज्ञानागार एवं डॉ. शाहिद रसुल ने मोबाईल एप का लोकार्पण किया. इसी प्रकार ओएसओयू एवं इग्नो के बीच म्युचिल एक्सचेंज ऑफ एज्युकेशन एंड रिचर्ज के लिए करारनामा किया गया. इसके चलते ओएसओयू एवं इग्नो के बीच पाठ्य सामग्री का आदान-प्रदान होगा.